

राज
कॉमिक्स
विशेषांक

मूल्य 30.00 संख्या 2410

आतंकवादी लाहौर टोनी

राज
जातीय वर्ष

HEMANT
100% JAWAHAR
Chaitanya Kulkarni

club 18

World Terrorism



जापान में आंतकवाद फैलाने के जुर्म में धार्मिक संगठन ओम को 13 साल पूर्व बैन कर दिया गया था और ओम के गुरु कोशीमासा को कैद कर दिया गया था। लेकिन अब किसी नकाबपोश ने उसे आजाद करा दिया है। अब जापान के साथ-साथ पूरी दुनिया है खतरे में और नाशराज है जापान में। रहस्यमयी घड़यंत्रों के जालों को काट फेंकने के लिए वो अकेला ही आंतकवादी संगठन पर्यायियस फार्हूद के अड्डे में दूस चुका है। रोनिव व कामीकाजे में आप अब तक की रोमांचक कथा पढ़ चुके हैं। अब आगे पढ़ें!

संजय गुप्ता पेश करते हैं।

राज कॉमिक्स है मेरा जनून!

लोमो

The Mystic Katana

उक दुर्सी धातक तलवार जो कड़ी निष्ठा से फौलाद से भी मजबूत धातु से बनाई जाती है। फौलाद को भी काट डालने के लिए जिसके बारे में प्रसिद्ध है उक वार उक शिकार, यह पहुंचाती है मौत के धाट।

“देश भक्तों का दुश्मन है
यो हरे जिन्दा ना छोड़ना।”



परिकल्पना
विवेक मोहन,
अनुराग सिंह

लेखक
संजय गुप्ता,
तरुण कुमार वाही

चित्रांकन
हेमंत

इंकिंग
गौरव
श्रीवास्तव

इफैक्ट
सुनील

कैलीग्राफी
हरीश शर्मा

संपादक
मनीष गुप्ता

किल हिम!

रौं का सामना करने के लिए मेरे पास हैं हजारों सांप।

हिरण्य

हिरण्य

कितने भी रिक्खरत हों लेकिन-

अगर हाथों में हथियार नहीं रहते तो-

साय

साय

साय

साय!!!

उफ!!!

साय!!!

बुजदिलों की हार निश्चित होती है।

अब इस जहर को जापान वासियों की जाने नहीं लेना दूँगा।

आSSSह!

आSSSह!

मुझे खुशी है कि ये आपनी ही खोदी गई खाई में गिर रहे हैं।

मुझे दुख है बेजुबान जानवरों के लिए, लेकिन मैं इन्हें नहीं बचा सकता था, क्योंकि ये सभी उंथेकरण या झबोला से संक्रमित हो चुके थे।

'किल हिम' किसने कहा था?











ओह! कोशीमासा ने शायद अपना वो टोप नष्ट कर दिया है, जिससे वो पर्यायिय सफाइव से सम्पर्क करता था।



वो समझ गया होशा कि मानसिक सम्पर्कों के जरिए मैं उस तक पहुंच जाऊँगा।



चुम्बकी तुम्हारा पांचवां साथी कौन है और कहां है?

EXPLORER

चुम्बकी नागराज को बताता चला गया।

बूर्जा

कोशीमासा के मुँह पर नागराज का चौथा तमाचा।



“आज वीरान पड़े इस विला की नींव मेरे पापा टोमोशोगो ने कभी अपने हाथों से रखी थी।”

“पापा कहते थे कि जिस दिन इस घर की नींव रखी गई थी उसी दिन मेरा जन्म हुआ था।”

“अंधेरे से कितना डरती थी मैं।”

पापा!
मम्मी!

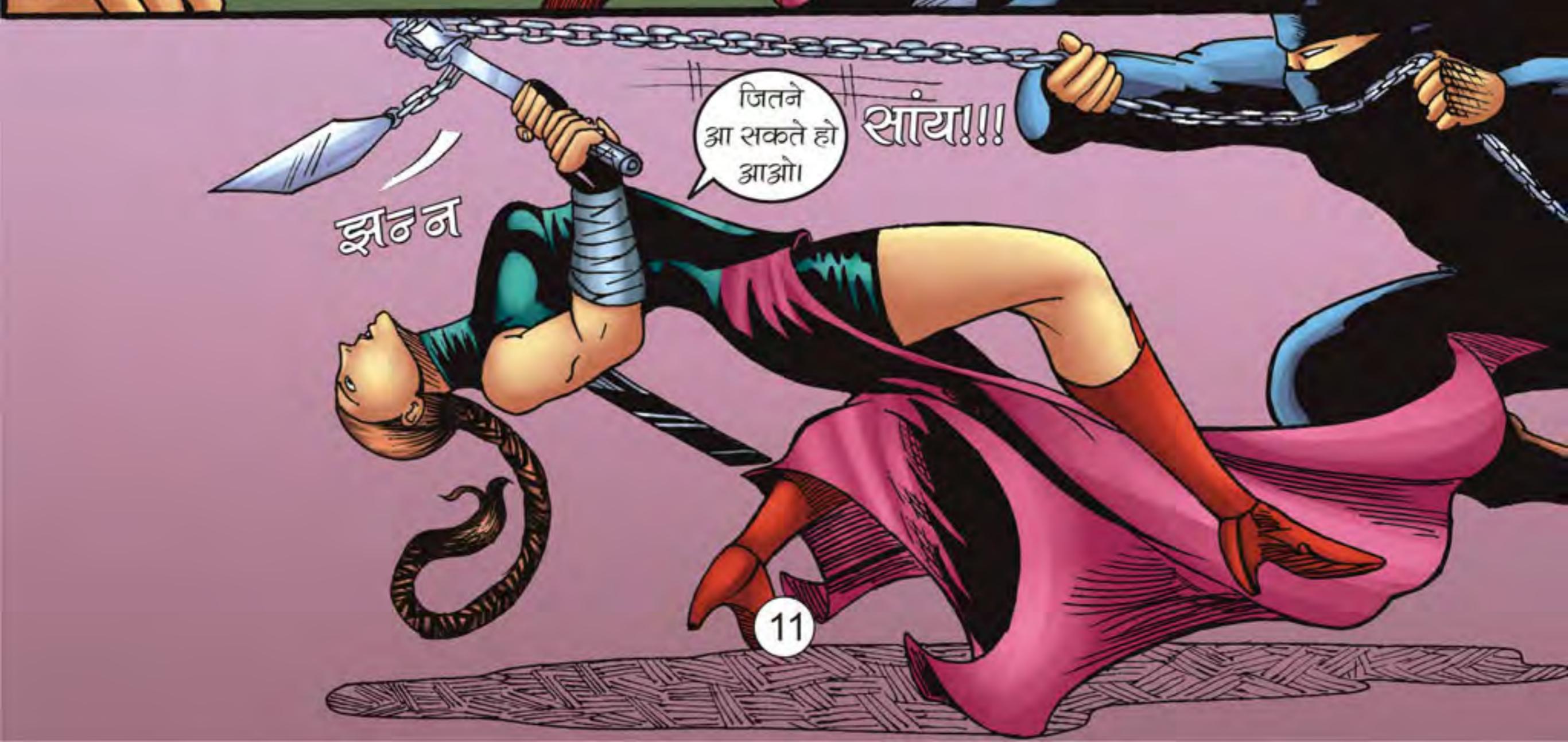
“मेरा डर दूर करने के लिए पापा अक्सर मुझे अंधेरे कमरे में छोड़ देते थे।”

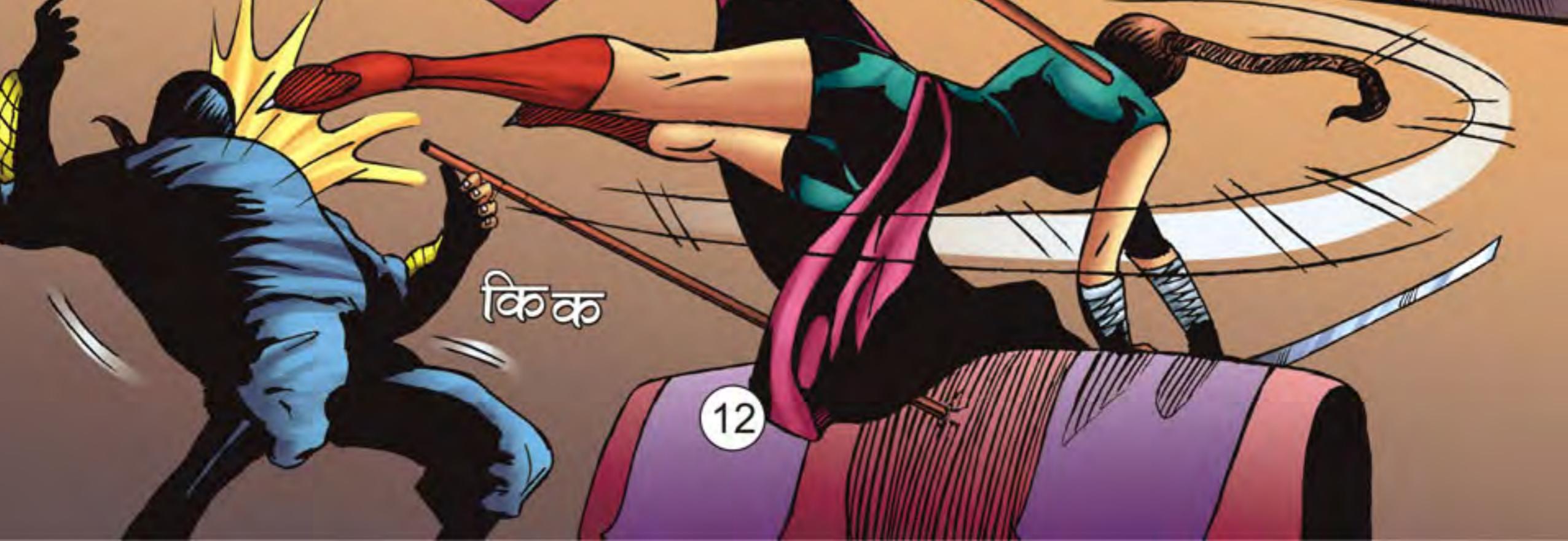
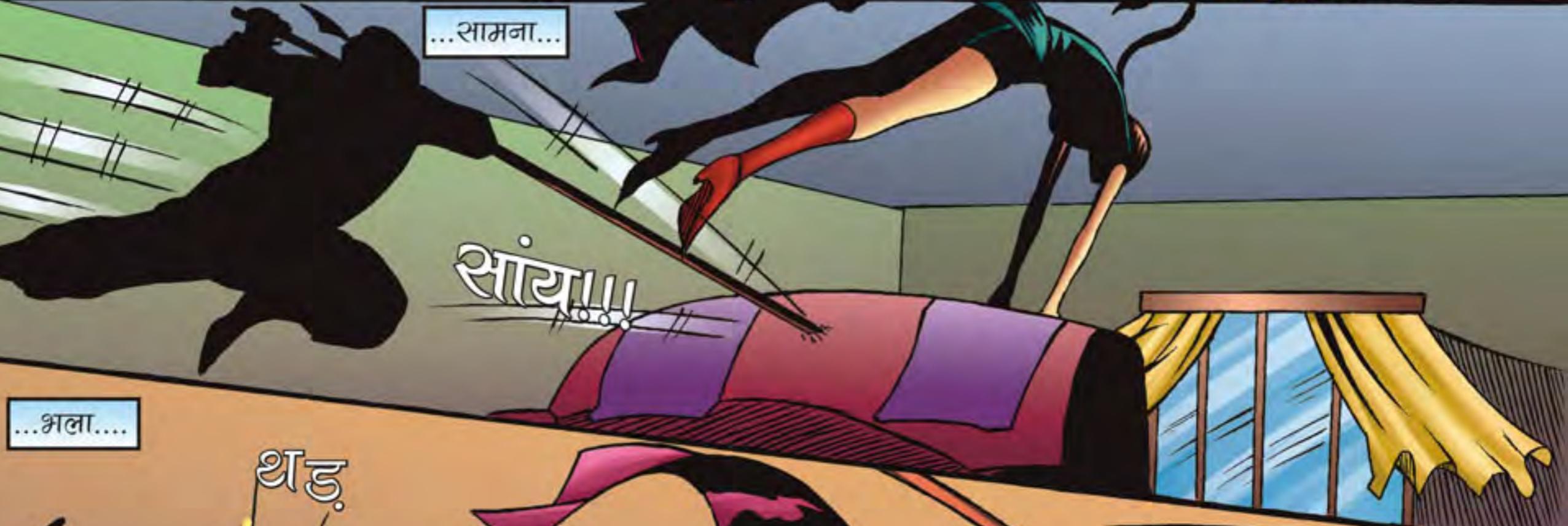
जिंदगी में दुःख
और तकलीफों के बहुत
से अंधेरों से गुजरना
पड़ता है...।

..अंधेरे का
डट कर सामना नहीं
करोगी तो उन दुःख और
तकलीफों का सामना कैसे
करोगी कियो?

"सूरज की उक किरण सारे संसार के अंदरे को दूर कर देती है।"

"पापा मेरे लिए उसी किरण के समान थे।"









फफोलों के लिए मेरा जिस्म प्रस्तुत है।



ओह नागराज! तू भी आ गया। चलो। पहले तेरा किरणा समाप्त कर देता हूँ।

शर्ररररर...



ओह। बेहद गर्म है यह।

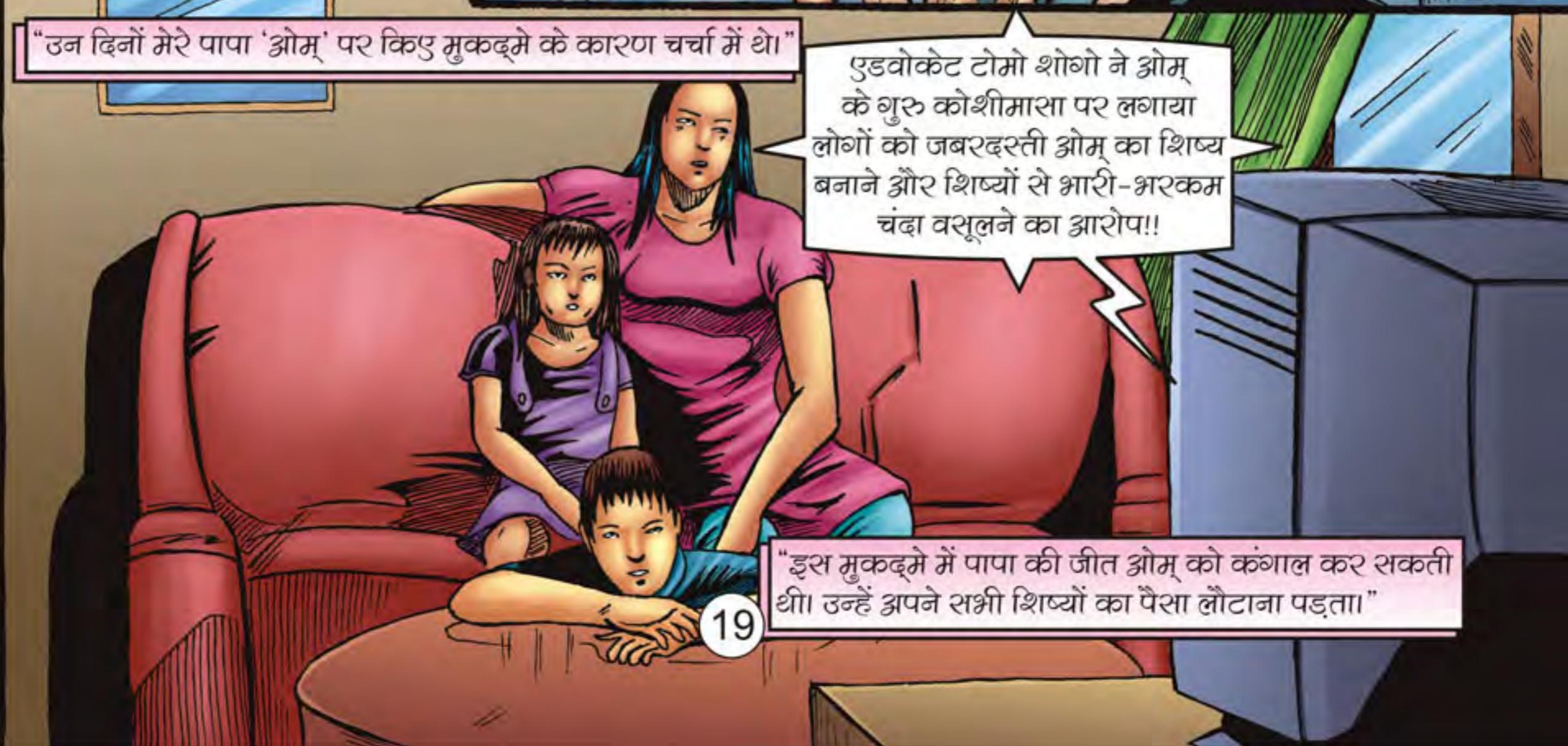
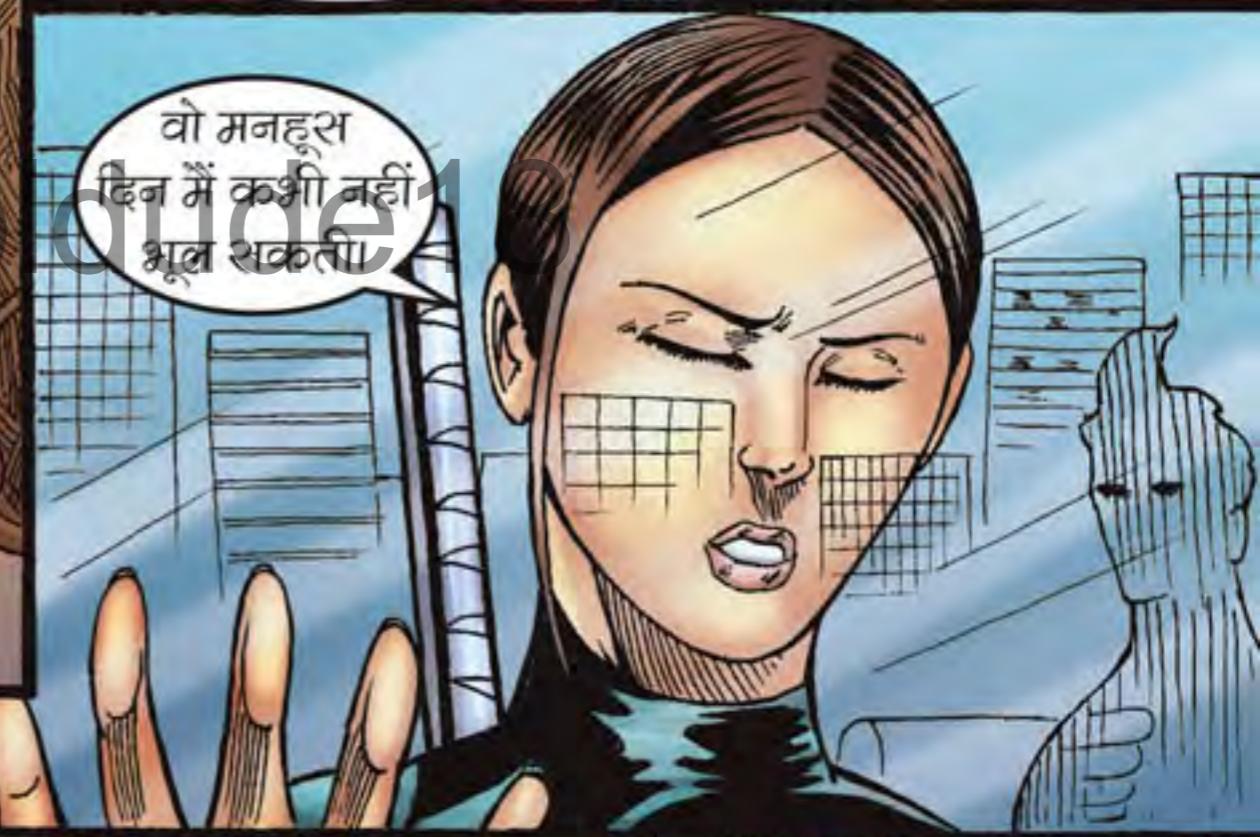


शरीर का पानी उबलने लगा है...

और शरीर में 90 प्रतिशत पानी ही होता है।







“ये सब चल ही रहा था कि उक्त दिन पापा घबराए हुए घर पहुंचे। उनकी कमर पर लटकी हुई थी उक्त कटाना।”

मुझ! हमें यहां से तुरंत जाना होगा। कुछ गुड़ मेरी जान के पीछे पढ़े हैं।



“मम्मी ने हम दोनों का हाथ पकड़ा तो—”

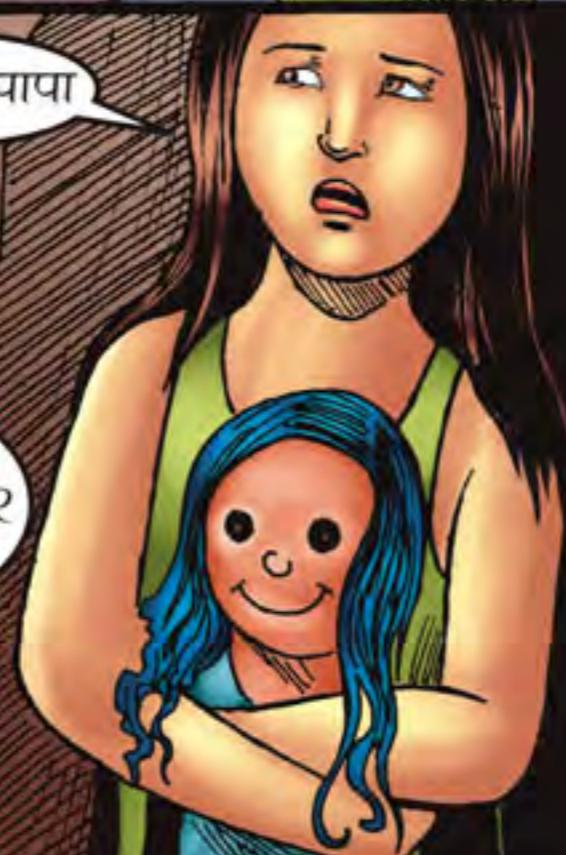
पापा। मम्मी उक्त मिनट में ड्रभी आई।

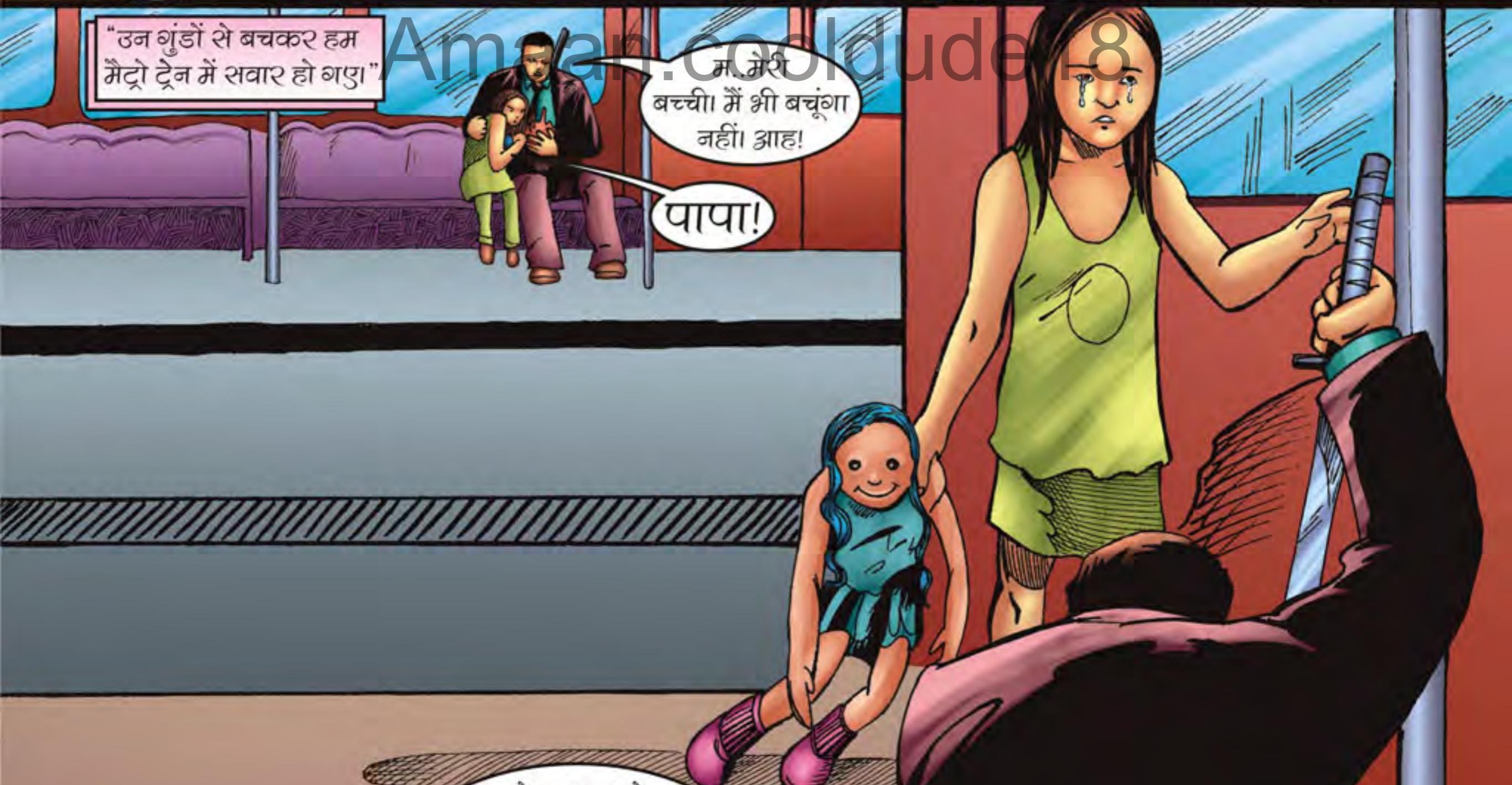


“मैं अपनी डॉल लेने के लिए दूसरे कमरे में चली गई और जब वापस लौटी तो—”

माँ! प... पापा

दरिनदे!
तूने इन्हें जहर
दे दिया?





ये कटाना। ये
जापान के सिपाही के हाथ
में... अमर... असमाप्त... ऐश्वर्य...
शैतान के हाथ में बर्बादी...
त... तबाही।



“सरीन गौस आटैक में कई लोग मारे गए थे। मैं बच तो गई थी मगर मेरे शरीर को लकवा मार गया था।”







"मैं व्हील चेयर से उठने को मचल उठती। मगर टांगों जवाब दे देती।"

आह!

"अपनी विवशता पर मैं चीखती, चिल्लाती।"

मैं खड़ी होना चाहती हूँ। मुझे ताकत चाहिए।

स्टॉप!

"बुरु ड्रेगो का वो एक शब्द मेरी सारी बेचैनी को शांत कर देता।"

"ड्रेगो बाबा अपने शिष्यों के साथ 'स्टॉप', 'मूव' का खेल सा खेलते थे।"

वह मेरे लिए तो खेल जैसा ही था।

"लेकिन मैं बार-बार पूछने पर एक बार उन्होंने मुझे इस खेल की हकीकत बताई-

मूव!

ये खेल नहीं है बच्ची।
ये एक साधना है। खुद पर
नियंत्रण की साधना। सेल्फ कंट्रोल।
मार्शल आर्ट सेल्फ डिफेन्स की आर्ट है।
लड़ाई जब हिंसक होने लगती है तो
लड़ाके को इस सेल्फ कंट्रोल की
जखरत पड़ती है। यदि वो इसमें
माहिर नहीं होता है तो वो
चोट खा सकता है।

"वक्त तेजी से बीत रहा था।"

देखो। अब तुम मेरा सहारा लेकर चल सकती हो।

मैं दौड़ना चाहती हूं। भागना चाहती हूं। ...बिना किसी सहारे को।

"मैं गुरु ड्रेगो को वहां से जाता हुआ देख रही थी। उस वक्त मेरी आंखें खुशी से छलक रही थीं। मैं अपने पांवों पर खड़ी थी।"

"मैंने समुराई फाइटर बनने की इच्छा जाहिर की।"

ये विद्या कमजोर लोगों के बस की बात नहीं।

पहले योगा करके अपने उद्धेलित मन को शांत करो।

"मैंने दो साल तक योगा का अभ्यास किया।"

"गुरु ड्रेगो ने मुझे आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देना शुरू किया।"

तुम खुद पर नियंत्रण करना सीख गई हो। लेकिन इस विद्या का प्रयोग हमेशा दूसरों की भलाई के लिए या आत्मरक्षा के लिए ही करना।

"उन्होंने मुझे वो आर्ट भी सिखाई जिसे आज तक उनका कोई भी शिष्य नहीं सीखा पाया था।"





“मैं उस गली से तबाही मचाती गुजरी और सुजुकी को कत्ल कर दिया।”



“और याकुजा के फैमिली हैंड यमाह तक जा पहुंची।”

याकुजा का
जो सदर्श्य जेल काट
कर आया हो वो उरिया
कमाण्डर बनने के
लायक नहीं हो
सकता।

गुड! लेकिन उरिया
कमाण्डर बनने के लिए
तुम्हें अपनी योश्यता को साबित
करना होगा। हमें नागराज को
मारने की सुपारी मिली है। यदि
तुम नागराज को मार पाईं
तो याकुजा में तुम्हारी ये
पोस्ट पक्की।

और
मैंने अपनी
योश्यता साबित
कर दी।

आपके दल का उरिया
कमाण्डर उसा होना चाहिए जिसे
कोई पकड़ ना सके।

यानि कि जैसे
तुम? जिसे यहां मुझ तक
पहुंचने से हौ सौ फाइटर भी
नहीं रोक सको।

तो यह थी तुम्हारी
कोशीमासा से दुश्मनी
की वजह।

मुझे लगता है
कियो कि पिछले दिनों हुई
घटनाएं गुरु कोशीमासा को जेल
से बाहर लाने की योजना
का ही हिस्सा थीं।

यदि ये
सच हैं तो इसके पीछे
जखर कोई बड़ी प्लानिंग
है और अपने पिता के
कारण तुम भी उस
प्लानिंग का हिस्सा
हो सकती हो।

उसा तुम
कैसे कह सकते हो
नागराज?

क्योंकि
उन्होंने तुम पर हमला
किया है।

लेकिन मैं तो यहां
रहती ही नहीं। मैं तो यहां हर
साल अपने परिवार की बरसी
पर ही आती हूं।



“मुझे मौत देने में तुम तो कामयाब हुई थी कियो लेकिन मौत कामयाब ना हो सकी”

कियो तुम्हारे पिता की मृत्यु का कारण ओम संशय ही है। लेकिन उनका हत्यारा कोशीमासा नहीं क्योंकि मुकद्दमों की डिटेल स्टडी से मुझे पता चला है कि सरीन अटेक से कई धंटे पहले कोशीमासा को बुरी तरह धायलावस्था में ड्राप्टाल में भरती कराया गया था।

सभी कमरों का यही हाल है!

यानी कि फफोली और उसके गुंडे यहां किसी चीज की तलाश में आए थे।



नागराज मेरे पिता की हत्या के पीछे ओम का हाथ होना ही कोशीमासा से मेरी दुश्मनी के लिए काफी है।

नागराज क्या तुम मुझे बताना चाहोगे कि इटली में तुम मौत के मुंह से कैसे बच निकले?



"रक्त प्रवाह सामान्य होते ही मेरे जख्म तेजी से भरे!!"

नागराज!



कियो को हैरानी से बाहर
निकाला नागराज ने-

नागराज कियो की चीख
सुनकर वापस पलटा।

अब मैं चलता
हूं कियो। अपना ध्यान
रखना।
हां नागराज।

आहास!
नागराज उसे
पकड़ा।

जब तक नागराज संभलता
कार दूर जा चुकी थी।

कियो क्यों चिलाई? ओह! ये
वहां कैसे लटक गई? किसे
पकड़ने को कह रही है?

जुलाई में

नागराज कियो के पास पहुंचा।

मैं तुम्हारा
पांव घिल में से निकाल
देता हूं।





उसी समय-

मैंने शिंगोहीरो के आश्रम में उसके पास वैसा ही टोप देखा था, जैसा मैंने गुरु कोशीमासा के सिर पर भी देखा था।

मुझे पूरा यकीन है कि उस टोप के जारिए शिंगोहीरो ही गुरु कोशीमासा बनकर फ्यूरियस फाइव को संदेश देता रहा है। मुझे पूरा यकीन है कि शिंगोहीरो ऐसे बहुत से राज जानता है जिन्हें कोई और नहीं जानता।

गुरु कोशीमासा। मैंने कटाना को प्राप्त कर लिया है। अब जापान आजाद होगा और अमेरिका होगा तबाह।

लेकिन शांतियो पहुंचकर नागराज रह गया हैरान-

अब आपकी अविष्यवाणी सच साबित होने का समय निश्चित कर दिया जाएगा।

जेटली के निर्देश पर गुरु कोशीमासा को तुरंत पुलिस वेन में बैठा दिया गया-

आरे...मिस्टर
जेटली। सुनो।
मुझे...।

जलदी करो।
इसे फौरन जेल ले
कर जाऊ।



हीरो एम्बेनिशन डिपो, हिरोशिमा!

भवकाक!!!

बूम

उफ! ये कैसा हमला है।

व्हाइट बीच उरिया, ओकी जावा।

भवकाक!!!

बूम

पूरे जापान में तहलका मच गया था।

नेशनल टी.वी. पर गुरु कोशीमासा के मैसेज ने सबको स्तब्ध कर दिया था।

ये कहर दृटा है कुदरत का।

मेरी भविष्यवाणी सच हो रही है।

13 साल पहले मैंने कहा था कि अग्रिम पुरुष मरीहा आएगा।

कुदरत ने मुझे दी है अग्रिम पुरुष की शक्ति। अमेरिकी ये देश छोड़ दें। जापान आब किसी आर्टिकल-9 का पालन करने के लिए बाध्य नहीं होगा।

मेरे हाथ में है अब कुदरत की शक्ति का नियंत्रण। पूरे संसार में कहीं भी आ सकती है ऐसी तबाही।

मेरी चेतावनी को गम्भीरता से लेना अन्यथा ये तो अभी शिंज चैन था अब आपुगा सूमो।

हम यहां गुरु कोशीमासा की जुबान नहीं खुलवा पाएँ और यहां टी.वी. पर वो खुलेआम भड़काऊ भाषण दे रहा है।

मिस्टर जेटली। इस घटना से पूरे विश्व की सरकारें हिल गई हैं।

अमेरिका अपने सातवें बैड़े को तैयार कर रहा है।

उसकी मिसाइलें जापान की तरफ तन गई हैं।

अमेरिकी आका इसे जापान की साजिश मान रहे हैं। जबकि जापान सरकार का इससे कोई लेना-देना नहीं है।

जापान में उमरजेंसी घोषित कर दी गई है और गुरु कोशीमासा की मौत की कार्रवाही को हमारे हाथ से छीन लिया गया है।

पूरे जापान में आपात स्थिति की घोषणा कर दी गई।

स्थिति को काबू करने के लिए जापान की सेल्फ डिफेंस फोर्स और अमेरिकन मिलिट्री टोक्यो की सड़कों पर आ गई।

उसे फौरन गोली मार दी। वो ढेशब्दोंही है। टी.वी. पर प्रसारित मैरेज उसके पकड़े जाने से पहले रिकॉर्ड किया गया होगा। ये सारी साजिश उसी की है।

अमेरिकी सरकार इस घटना को लेकर बहुत गम्भीर है। अब गुरु कोशीमासा FBI को सौंप दिया गया है। उसकी जिंदगी और मौत का फैसला अब उन्हीं के हाथ में है।

तब एक बार फिर हुआ गुरु कोशीमासा का प्रसारण-

जापानवासियों जागो छूतने साल
तुमने रोनिन की जिंदगी शुरू की है। अब समय आ गया है कि तुम
अपने राजा के सम्मान की रक्षा
के लिए अपने घरों से बाहर
निकलकर अमेरिकन्स को अपने
घरों से बाहर खदेड़ दो।



गुरु कोशीमासा की धमकी ने जापानवासियों के क्रोध को भड़का दिया-

अमेरिका
जापान को आजाद
करो।

अमेरिकी
सेना वापस
जाओ।

नागराज घटनाओं के तार जोड़ने
की कोशिश कर रहा था।

1941 में पर्ल हारबर की घटना के
बाद से अमेरिका की जापान से
दुश्मनी चली आ रही थी।



छ: अगस्त को ही अमेरिकन बेस
पर हमला किया गया। कोशीमासा और
शिंगोहीरो का निशाना अमेरिका ही रहा
है। कल भी शहर में दो अमेरिकन्स
की क्षत-विक्षत लाशें मिली हैं।

छोड़ दो। छोड़ दो
इन्हें। कानून को अपने हाथों
में मत लो। सभी अपने घरों
में वापस जाओ।

जापान की हिंसा को रोकने के
लिए अमेरिका ने कई चेतावनी दीं
जिसे जापान अनसुना करता रहा।

छ: अगस्त 1945 को हिरोशिमा
पर परमाणु बम अटैक हुआ जिसमें
लाखों निर्दोष जापानी मारे गए।

कोशीमासा ने कहा यह था शिंग
चेन अब आएगा सूमो इसका क्या
अर्थ हो सकता है?



अब उनका क्रोध फटेगा लिटिल
बॉय और फैट मेन की तरह।

लिटिल बॉय और फैट मेन? शिंन चेन जापानी मांगा का एक शारारती पांच साल
का बच्चा। छोटा बच्चा, लिटिल बॉय। सूमो फाइटर होते ही मौटे हैं यानी फैट मेन।

शीतनाग। सौडांगी।

इसी के साथ नागराज की चेतना बेहोशी की दुनिया की तरफ चल पड़ी थी।

ये सभी
निर्दोष हैं इन्हें चोट ना
पहुंचानास्स

सौडांगी और शीतनाग के जादुई अवतार ने भीड़ को रस्तब्ध कर दिया।

भ्रूल थी उनकी अब यह काम आसान नहीं था।

और तब तो बिलकुल नहीं जबकि उन्हें सिर्फ बचाव करना था।
अब जापान की धरती पर तीन रक्षकों की मौत निश्चित थी।

लेकिन तभी आया वो तूफान-

कियों का तूफान-

लेकिन सिर्फ एक
पल के लिए उब्र
भीड़। अब आपने
शिकार को बचने
का मौका नहीं
देना चाहती थी।

शीतनाग नागराज
के जिरम की आग बुझाड़ों में
इन्हें रोकती है। तुम नागराज
को लेकर निकलो।

अगले ही पल नागराज सुरक्षित हाथों में था।

सौडांगी और शीतनाग समा चुके थे नागराज के जिरम में-



और तब जैसे बिजली भर गई हो नागराज के जिरम में। उसे ही उछल कर खड़ा हुआ था वो-

नागराज ने फोन पर जेटली से संपर्क साधा-

BRUGUST
10:00 PM

मिस्टर जेटली मुझे लगता है कि आज इसको कोई बड़ी घटना होने वाली है।

अब कुछ नहीं होगा...

...क्योंकि फैसला लिया जा चुका है। गुरु कोशीमासा को गोली मारकर उनको मौत की सजा दे दी जाएगी। उसकी मौत के साथ ही उसका आतंक खत्म हो जाएगा।

मिस्टर जेटली! तुम कुछ भी करके मुझे गुरु कोशीमासा तक पहुंचाओ।

मैं कुछ नहीं कर सकता नागराज। बात मेरी पॉवर से निकल चुकी है।

सौडांगी! मुझे फौरन जेटली से बात करनी है इससे पहले की अनर्थ हो जाए। कहीं अमेरिका नागासाकी ना बन जाए।

मेरा उसके
पास पहुंचना बहुत
जरूरी है।

उसे अमेरिकी सेना और एफ.बी.
आई. के सुपुर्द कर दिया गया है।
उससे पूछताछ चल रही है। वही उसे
दो घंटे बाद मौत के हवाले कर देंगे।
तुम किसी भी सूरत में टोकयो की
सड़कों पर नहीं निकल सकते।

पूरे जापान की सुरक्षा इस वक्त
अमेरिकन और सेल्फ डिफेन्स
फोर्मिंस के हाथों में है। सड़कों पर
निकलने वाले किसी भी व्यक्ति
को गोली मार दी जाएगी।

नाशराज को टोकयो टॉवर पहुंचने
से भाला कौन रोक सकता था!

जाओ! पूरे
टोकयो में फैल
जाओ।
उसकी खोज
करो।
मुझे शुरू
कोशीमासा चाहिए।
जिंदा।
जलदी से
जलदी!!!!

जल्द ही नागराज तक पहुंच गए थे सर्प संदेश-



बिना चेतावनी के ही नागराज पर गोलियों की बौछार दाग दी गई-

तड़ तड़ तड़

क्राइम फाइटिंग में यह सबसे मुश्किल क्षण होते हैं। यह अपने अफसरों के हुक्म के गुलाम हैं। ना तो यह समझेंगे और ना ही मैं इन्हें कुछ नुकसान पहुंचा सकता हूं।

लेकिन वह उसी दिशा की तरफ जा रहा है।

यह मेरी मंजिल से विपरीत दिशा की ओर जा रहा है।

कुछ ही पलों में ये मुझे मेरी मंजिल तक पहुंचा देगा।

मेरी मंजिल, गुरु कोशीमासा

मिलिट्री बेरों
पर हमला कहां से और
कैसे हुआ? बोलो



सांय आह!

अब
ये कभी नहीं
बोलेगा।

आह!

सांय

आह!

अब इसके
मुँह से केवल उक सांस
निकलेगी...
आखिरी सांस!

मेरी टोमो तो तूने छीन
ली मुझसे लेकिन ये शोगो तुझे
मौत के घाट उतारेगी ढूष्ट
कोशीमासा।

आखिरी सांस
यानि आखिरी सफर...
शिवराता गा नई
NOTHING CAN BE DONE

विश्व आतंकवाद का अब कुछ नहीं हो सकता...



शिकाता गा नई

Nothing can be done

प्यारे हरे दोस्तों, जनून!

ग्रीन पेज पर आपका स्वागत है। हालांकि अब यह ग्रीन कलर का नहीं है, लेकिन हमारे और आपके प्यार की हरियाली इसमें खूब है। इस ग्रीन पेज के जरिये मैं हमेशा आपको राज कॉमिक्स की आगामी योजनाओं, कार्यकर्म व स्थिति से अवगत कराता आया हूं, आगे भी कराता रहूंगा। आपके और हमारे बीच यह हरा जनून हमेशा कायम रहेगा। मैं आप सभी का यह हरा पन्ना पढ़ने के लिए आभारी रहूंगा। **रोनिन एवं कामीकाजे** की सफलता के लिए सभी नागराज प्रेमियों को बधाई। WTS (वर्ल्ड टेरोरिजम सीरीज) के लिए हमें मिलने वाले बधाई संदेश इसकी बढ़ती लोकप्रियता के परिचायक हैं। हम भी पाठकों की पंसद की गम्भीरता से लेते हुए निरतर इस सीरीज में जये बदलाव कर रहे हैं। आशा है प्रशंसकों को **टोमो** पंसद आई होगी। **टोमो** में हमने नागराज की हत्यारिन, ड्रेगन फाईटर कियों की कहानी बताई है जो कि इस सारे षड्यंत्र की एक अहम कड़ी है। अगर आपको लगता है कि नागराज मेन विलेन तक पहुंच गया है तो हम आपको बता दें कि नागराज इस सीरिज की अंतिम कड़ी यानी आगामी कॉमिक्स **शिकाता गा नई** के अंतिम पृष्ठों तक भी असली अपराधी तक नहीं पहुंच पाएगा। जापान सीरीज के बाद WTS की आगामी सीरीज होगी जर्मनी सीरीज। पूरा विश्व एक बार फिर दहलने वाला है शर्मनाक नरसंहार के भूतों से। कुछ गम्भीर भविष्यवाणियां हुई हैं जिन्हे नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता और उन पर अमल हुआ तो खत्म कर दी जाएगी आधी से अधिक विश्व जनसंख्या और इस भीषण अपराध का आधार बनने जा रहा है नागराज। नागराज यदि जर्मनी जाता है तो नरसंहार तत्काल शुरू होगा। नहीं जाता है... तो भी नरसंहार होकर रहेगा। साथ ही होगा नाग संहार। किन्तु इस सीरीज से पहले आप पढ़ेंगे नरक नाशक नागराज सीरीज की **अभिशप्त** और उसके पश्चात नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव की दू इन वन सीरीज **अवशेष** के गजबनाक विशेषांक। सुपर कमांडो ध्रुव के प्रशंसकों के लिए इसी सैट में प्रकाशित हो रही है **स्टेचू**। इसका आगामी पार्ट **गेम ओवर** भी आगामी सैट में प्रकाशित होगा। इसके पश्चात आएंगी **जीनीयस व डेड और एलाइव**। इसी सैट में प्रकाशित हुई है महाबली भोकाल की कॉमिक्स **महागुरु भोकाल**। यह महाबली भोकाल के ORIGIN सीरीज की अंतिम कॉमिक्स है। इस सीरीज में भोकाल शक्ति व महागुरु भोकाल की जन्म कथा का वर्णन किया गया है। लेकिन अभी यह भोकाल की जन्म कथा के बिना अधूरा है। भोकाल का जन्म कैसे हुआ? यह जानकारी हम आपको देंगे किन्तु उसका प्रस्तुतिकरण बदला जा रहा है। अब हम कहानी को फिर से विकास नगर ले जा रहे हैं भोकाल की आगामी कॉमिक्स **धिक्कार** में। इसी सैट में प्रकाशित बांकेलाल की **सातवां धोड़ा** के साथ सात सवालों की यह श्रृंखला भी समाप्त हो रही है। बांकेलाल की आगामी कॉमिक्स है **गधाधारी बांकेलाल**। नितिन मिश्रा द्वारा रचित व सुशांत पंडा द्वारा चित्रित। आगामी सैट में समाप्त हो रही हैं तीन सीरीज- नागराज जापान सीरीज, डोगा की **ओल्ड इज गोल्ड** व सुपर कमांडो ध्रुव की **स्टेचू** सीरीज। आगे कॉमिक्स कम से कम पार्ट्स में प्रकाशित करने की हमारी योजना है। पूर्व सैट में प्रकाशित **वन रक्षक** (उदगम श्रृंखला) को भी आशातीत सफलता मिली है। इस सीरीज की बाकी दो कॉमिक्स **शापित रक्षक व आहुति** भी हम पाठकों को जल्दी ही उपलब्ध कराएंगे।

चलते-चलते राज कॉमिक्स पाठकों को एक सूचना और देना चाहूंगा कि वे राज कॉमिक्स वेबसाइट www.rajcomics.com पर Free web comics पढ़ सकते हैं। इसके अलावा राजस्थान पत्रिका ग्रुप की वेबसाइट पर भी अब राज कॉमिक्स उपलब्ध है। एयरटेल व वोडाफोन के ग्राहक भी राज कॉमिक्स अपने मोबाइल फोन्स पर पढ़ सकते हैं। अंत में एक बार फिर कहूंगा कि **पाइरेसी को किसी भी कीमत पर हटाएं** और राज कॉमिक्स को मजूबत बनाएं। **राज कॉमिक्स खरीद कर ही पढ़ें।**

अपने पत्र हमें आप इस पते पर भेजें: ग्रीन पेज नं. 303, राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84. FORUM पर अपनी पोस्ट आप WWW.RAJCOMICS.COM पर करें।

जनून

आपका संजय गुप्ता
Green Page No. 303

धन्यवाद